newsjankalyanseva@gmail.com www.jksnews.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - १४ | २४ से ३० अप्रैल २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

स्थानिय भाषाओं का जोर

बहुभाषिक देश होने की वजह से हमारे यहां प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा का संवैधानिक प्रावधान है। यह अच्छा भी है, क्योंकि बच्चा अपनी मातृभाषा में ही सही ढंग से रचनात्मक सोच विकसित कर पाता है। मगर शिक्षा संबंधी यही भाषायी सुविधा बच्चे के लिए असुविधा बन जाती है, जब वह उच्च शिक्षा के लिए जाता है। खासकर तकनीकी विषयों की पढ़ाई मातृभाषा में कराने की व्यवस्था विकसित ही नहीं की गई। तर्क यह दिया गया कि चूंकि तकनीकी शब्दावली के भारतीय भाषाओं में पर्याय बनाना जटिल काम है, इसलिए उनकी शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी रखना ही उचित होगा। हालांकि अब कुछ राज्य सरकारों ने हिंदी और दूसरी भाषाओं में इंजीनियरिंग, चिकित्सा आदि तकनीकी विषयों की पढ़ाई का प्रयास भी शुरू किया है, मगर पढ़ाने वालों के सामने भाषा संबंधी अड़चनें बनी हुई हैं। इसलिए उच्च शिक्षा में बच्चों का अंग्रेजी से पिंड नहीं छूट पा रहा। वे जैसे-तैसे जोड़तोड़ कर अंग्रेजी में लिखी किताबों से सिद्धांतों और अवधारणाओं को तो आत्मसात कर लेते हैं, मगर जब परीक्षा देने की बारी आती है, तो उनके हाथ-पांव ठंडे पड़ जाते हैं। अनेक मेधावी बच्चे भी परीक्षा में इसीलिए पिछड़ जाते हैं कि उत्तर अंग्रेजी में नहीं लिख पाते। अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस अड़चन को दूर करने का कदम उठाया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष ने सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि वे विद्यार्थियों को स्थानीय भाषाओं में भी परीक्षा देने का अवसर उपलब्ध कराएं। बेशक पाठ्यक्रम अंग्रेजी में हो, पर उन्हें सवालों का जवाब स्थानीय भाषा में लिखने का अवसर मिलना चाहिए। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों से यह भी अनुरोध किया है कि तकनीकी विषयों की पुस्तकें स्थानीय भाषाओं में भी तैयार कराने का प्रयास होना चाहिए। यह एक तरह से उसी कदम की अगली कड़ी है, जिसके तहत कुछ राज्य सरकारें तकनीकी विषयों की पाठ्यपुस्तकें भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने के प्रयास में जुटी हैं। यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करने और प्रतिभा विकास की दृष्टि से तो अच्छी पहल है, मगर व्यावहारिक स्तर पर इसकी सफलता को लेकर सवाल बने ही रहेंगे। उच्च शिक्षा में केवल डिग्री हासिल करना मकसद नहीं होता। उसमें शोध और अनुसंधान की स्वाभाविक अपेक्षा जुड़ी होती है। इसलिए विश्वस्तरीय शोध और अनुसंधान की दृष्टि से स्थानीय भाषाओं में शिक्षा प्राप्त करना अड़चन बन सकता है। फिर, व्यावहारिकता के स्तर पर इसकी उपयोगिता को लेकर बड़ा प्रश्नचिह्न लग जाता है। चिकित्सा विज्ञान में अद्यतन शोधों की जानकारी के बिना काम नहीं चल सकता, इसे स्थानीय भाषा में ग्रहण करना थोड़ा जटिल है। तर्क यह भी दिया जाता है कि जब सामाजिक विज्ञान और कला विषयों में विद्यार्थी अपनी मर्जी से भाषा माध्यम का चुनाव कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकता है, तो तकनीकी विषयों में ऐसा क्यों संभव नहीं है। कुछ विद्यार्थी ऐसे भी उदाहरण हैं, जिन्होंने आइआइटी में अपना शोध हिंदी में लिख कर जमा कर चुके हैं और उनकी प्रतिभा किसी से कम नहीं है। फिर कहा यह भी जाता है कि तकनीकी विषयों का व्यावहारिक उपयोग आखिरकार स्थानीय लोगों के बीच ही किया जाता है, इसलिए उन्हीं की भाषा में उसे अभिव्यक्त करना पड़ता है।

भविष्य में मीरा-भाईंदर एमएमआर के विकास का केंद्र बनेगा - फडणवीस

जेकेएस संवाददाता

मीरा-भाईंदर : दहिसर से भाईंदर (पश्चिम) तक बन रही मेट्रो लाइन का उत्तन तक विस्तार होगा। इस संबंध ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में हुई बैठक में निर्णय लिया जा चुका है। एमएमआर के प्रत्येक परिसर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत व ना या जाएगा और इस रीजन में ३३७ किलोमीटर लंबे मेट्रो का निर्माण किया जाएगा। ये बातें उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहीं। वह महावीर भवन और एक अस्पताल के भूमिपूजन के मौके पर मीरा-भाईंदर आए थे। उन्होंने कहा कि मीरा-भाईंदर का लोकेशन एक स्ट्रेटजिक लोकेशन है। भविष्य में मीरा-भाईंदर एमएमआर के विकास का केंद्र बनेगा। मीरा-भाईंदर को एक आधुनिक शहर बनाना है। शहर को ५० इलेक्ट्रिक वसों के लिए निधि दी जाएगी। वर्ष के अंत तक पुलिस आयुक्तालय का काम होगा।

उप मुख्यमंत्री के हाथों भवन का भूमिपूजन हुआ। वहुमंजिला महावीर भवन में साधु-संतों में लिए निवास, भोजनालय के अलावा सार्वजनिक सभागृह, मीटिंग रूम, जिम, डोरमेट्री जैसी भी व्यवस्था होगी। तीन अलग-अलग कार्यक्रम में विधायक गीता जैन, पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता, पूर्व सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे, विधायक राजहंस सिंह, बीजेपी नेता अमरजीत मिश्रा, वीजेपी जिलाध्यक्ष रवि व्यास, आयुक्त दिलीप ढोले आदि मौजूद थे।

फडणवीस की उपस्थिति में बीते दिनों जारी एक सरकारी आदेश का उल्लंघन किया गया। विगत दिनों खारघर ने महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान गर्मी और डिहाइड्रेशन से हुई मौतों के कारण राज्य सरकार ने दोपहर १२ बजे से ४ बजे तक खुले में कार्यक्रम पर रोक लगा दी थी। उप मुख्यमंत्री ने नियम तोडते हुए तकरीवन १ वजे सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व साहित्यकार इंद्रबहादुर सिंह ग्रंथालय व वाचनालय का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि २१ वीं सदी का उत्तरार्द्ध ज्ञान की सदी होगा। ज्ञान परिमार्जित करने वाले लोगों का महत्व होगा। उन्होंने कहा कि ग्रंथों और पुस्तकों में ज्ञान का भंडार है। ग्रंथों के ज्ञान का मुकाबला गूगल नहीं कर सकता है। ग्रंथालय के निर्माण के लिए उन्होंने पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता और संचालन करने वाली संस्था अभियान के अध्यक्ष अमरजीत मिश्रा का अभिनंदन किया। सीए फाइनल ईयर की तैयारी कर रहे नारायण कुमावत (२९) ने कहा कि ग्रंथालय का बहुत लाभ हुआ है।

पारधी आदिवासी समाज काफी समय से उपेक्षा का शिकार

मुंबई। आदिवासी पारधी समाज वर्ष से १९९५ से रह रहा है। लेकिन यह समाज बिजली, पानी, साफ सफाई जैसी बुनियादी चीजों से वंचित है । वहां की साफ सफाई और इसके साथ ही साथ आंगनवाडी शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए। इसके अलावा घनसोली के सात सौ झोपडिय़ों को मूलभूत सुविधा मुहैया कराई जाए। ऐसी जानकारी आदिवासी समाज महासंघ के नेता संतोष पवार ने दिया है।इस मौके पर केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने इस समाज की समस्याओं को सुलझाने वादा किया। बता दें कि भारत सरकार द्वारा हर परिवार को बिजली, पानी और निवास देने का वादा आश्वाशन दिया गया है। इस संदर्भ में, पारधी समाज के नेता

संतोष पवार ने केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले से मुलाकात की और समाज के बुनियादी मुद्दों को उठाया। पवार ने बताया कि पारधी आदिवासी समाज काफी समय से उपेक्षा का शिकार है उन्हें न्याय मिलना चाहिए। इस दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने सकारात्मक भूमिका लेकर वह जल्द ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलेंगे और इस मुद्दे को सुलझाएंगे। ऐसा आश्वाशन भी दिया। इसके अलावा नवी मुंबई के घनसोली में रहने वाले इस समाज को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की जानकारी पवार ने दी हैं।

मनपा के संपत्ती कर विभाग को द्वितीय पुरस्कार से किया सम्मानित

भायंदर। महाराष्ट्र सरकार के नगर विकास दिवस के अवसर पर, मीरा भायंदर महानगरपालिका संपत्ति कर विभाग द्वारा रिकॉर्ड ८९ प्रतिशत कर एकत्र किए जाने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों मीरा भाईंदर महानगरपालिका को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। महापालिका की तरफ से आयुक्त दिलीप ढोले ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर अपर आयुक्त संभाजी पानपट्ट और उपायुक्त रवि पवार भी उपस्थित थे। मीरा भायंदर महानगरपालिका कर विभाग द्वारा ३१ मार्च २०२३ की मध्य रात्रि तक १८२ करोड.रुपए (८९ प्रतिशत) का रिकॉर्ड कर संग्रह किया गया। दिलीप ढोले ने इसका श्रेय, अपर आयुक्त अनिकेत मनोरकर, उपायुक्त (कर विभाग) संजय शिंदे, नियंत्रण अधिकारी, सहायक नियंत्रण अधिकारी, संपत्ति कर विभाग के प्रमुख, सभी कर निरीक्षक, कर वसूली लिपिक और कर्मचारियों को दिया है। वहीं, निर्देशानुसार कर वसूली के लिए नियंत्रण अधिकारी एवं सहायक नियंत्रण अधिकारी नियुक्त किया गया है। कमिश्नर ने उन्हें विशेष सराहना के साथ बधाई दी। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष संपत्ति कर संग्रहण उत्कृष्ट और तीव्र रहा है। आयुक्त के निर्देशानुसार उपायुक्त (सूचना प्रौद्योगिकी) के मार्गदर्शन में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारी राज घरात द्वारा विकसित वेबसाइट एवं माईएमबीएमसी मोबाइल एप का उपयोग कर नागरिकों को संपत्ति कर भुगतान करने की अपील की गई थी। नागरिकों ने इस अपील का सकारात्मक जवाब दिया। ऑनलाइन पद्धति पर विशेष जोर देते हुए एक लाख २५ हजार ६९७ नागरिकों ने ६६ करोड. २७ लाख ०३ हजार ४१९ कर की राशि का भुगतान किया है। जबकि ९२ हजार ८९८ नागरिकों ने ३७ करोड.६८ लाख ३७ हजार ४६५ की राशि का कर नकद एवं ९१ हजार ५६० नागरिकों ने चेक (चेक) के माध्यम से कर का भुगतान किया है तथा कुल ७५ करोड.२१ लाख २७ हजार ६२५ का भुगतान किया गया है। मीरा भायंदर महापालिका कोषालय में कुल संपत्ति कर संग्रह १८१ करोड.५२ लाख ९२ हजार २६० रुपए है। मीरा भायंदर महापालिका द्वारा रिकॉर्ड वसूली के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आयुक्त दिलीप ढोले की पीठ थपथपाते हुए उन्हें बधाई दी ।

अल्ट्रासोनिक मीटर लगाना अनिवार्य

नहीं लगाया तो पानी काटने की चेतावनी

भायंदर : मीरा-भायंदर शहर में पानी का वाणिज्यिक उपयोग करने वाले लघु उद्योगधारकों, कारोबारियों को एमबीएमसी के जल आपूर्ति विभाग द्वारा नोटिस भेजी गई है. इस नोटिस के माध्यम से उन्हें पुराने पानी मीटर की जगह अब अल्ट्रासोनिक मीटर लगाना अनिवार्य बताया गया है. अल्ट्रासोनिक मीटर नहीं लगाने पर पानी कनेक्शन काट देने की चेतावनी भी दी जा रही है. एमबीएमसी के इस निर्णय से कारोबारियों में खासी नाराजगी देखी जा रही है. मनपा के जल आपूर्ति विभाग की दलील है कि पानी का अपव्यय रोकने तथा अचूक बिल के लिए अल्ट्रासोनिक मीटर अनिवार्य की गई है. इससे शहर में होने वाले जलापूर्ति की अचूक रीडिंग मिलने से पानी कितना उपयोग किया जा रहा है? इसका ऑडिट भी आसान हो जाएगा. अल्ट्रासोनिक मीटर लगाने

के लिए मनपा ने नए एनबी-एलओटी टेक्नोलॉजी की मीटर लगाने के लिए व्यवसायियों को नोटिस भेजा है जिसमें आवासीय और वाणिज्यिक उपयोग के नए पानी कनेक्शन लेने वालों के लिए अल्ट्रासोनिक मीटर को अनिवार्य तथा पुराने मीटर धारकों को इसके लिए आह्वान किए जाने का उल्लेख था. २,९२८ नए मीटर की बिक्री से ठेकेदार को ४ करोड.९० लाख रुपए और ५ वर्षों तक मीटर की देखभाल के लिए २ करोड़ १८ लाख ६३ हजार रुपए प्राप्त होंगे. इस दौरान जैसे-जैसे नल कनेक्शन की संख्या बढ़ेगी वैसे-वैसे इस रकम में और वृद्धि होगी.

शहर में सभी इमारतों का फायर ऑडिट करवाना चाहिए - सांसद राजन विचारे

ठाणे : घोड़बंदर मार्ग पर सिनेवंडर मॉल के बगल में ओरियन बिजनेस पार्क की इमारत में मंगलवार रात करीब ८ बजे लगी भीषण आग को बुझाने में ठाणे मनपा की दमकल टीम के पसीने छूट गए। इसके बाद सांसद राजन विचारे ने कल ठाणे मनपा को एक पत्र भेजा। भेजे गए पत्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद राजन विचारे आयुक्त अभिजीत बांगर ने मनपा सीमा के भीतर सभी भवनों का फायर ऑडिट व मॉकड्रिल कराने की मांग की है। बता दें कि मंगलवार के दिन ओरियन बिजनेस पार्क में आग लग गई थी। ठाणे मनपा की फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन आग के स्थान पर पहुंचने के लिए पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण वे आग नहीं बुझा पाए। साथ ही फायर ब्रिगेड की ब्रैंट्रो वाहन के लिए एक बार में तीन पानी के टैंकरों की जरूरत पड़ती है लेकिन पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण

यह संभव नहीं हो सका। उक्त आग को बुझाने के लिए ठाणे मनपा को मुंबई, नई मुंबई मनपा, कल्याण, डोंबिवली, मीरा-भायंदर और वायुसेना की मदद लेनी पड़ी। सांसद राजन विचारे ने बताया कि यदि कोई बड़ी घटना घटती है तो उसके लिए ठाणे मनपा और प्रशासन को तैयार रहना चाहिए। लेकिन मंगलवार को ठाणे में लगी आग को बुझाने में ११ घंटे का समय लग गया। मनपा दमकल विभाग की असफलता को ध्यान में रखकर और भविष्य में ऐसी घटना न घटे, इसलिए मनपा के भीतर आनेवाली सभी इमारतों का फायर ऑडिट करवाया जाए। ठाणे मनपा द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, २५ लाख से अधिक जनसंख्या वाले ठाणे शहर में ठाणे मनपा अग्निशमन विभाग में केवल १६४ फायरमैन ही कार्यरत हैं। इसके अलावा ६१८ पदों के रिक्त होने की चौंकानेवाली जानकारी सामने आई है।

मुनाफाखोरी की लालच में व्यापारी,आम को पका रहे हैं रसायन से

जेकेएस संवाददाता

नई मुंबई : फलों के राजा आम का सीजन आते ही मुनाफाखोरी की लालच में व्यापारी कच्चे आमों को जल्दी पकाने के लिए रसायनों का इस्तेमाल करते हैं, जिसका प्रतिकूल लोगों की सेहत पर पड़ता है। हाल ही में एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ व्यापारी आम पर सीधे रसायनों का छिड़काव करते नजर आ रहे हैं। जब उन व्यापारियों ने वीडियो बनाते देखा तो स्प्रे की बॉटल छिपाने लगे। मुनाफाखोरी की लालच में आम व्यापारियों द्वारा की गई इस हरकत का लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए अब लोग एफडीए पर सवाल खड़े कर रहे हैं कि आखिर इस तरह के आमों को बाजार में बिकने की आजादी कैसे दी जा रही है? गौरतलब है कि आम का मौसम शुरू होने से पहले एफडीए ने तीन समूहों का गठन कर इस तरह की घटनाओं पर नियंत्रण रखने का आदेश दिया था। उसके बावजूद इस प्रकार व्यापारियों द्वारा रसायन का उपयोग आमों पर करना एफडीए के उन समूहों की नाकामयाबी को दर्शा रहा है। आखिरकार ये समूह बाजार के किस हिस्से में जांच कर रहे हैं कि इस तरह के मुनाफाखोर व्यापारियों को नहीं पकड़ पा रहे हैं। दरअसल, गर्मियां बढ़ने के बाद लोग आम खरीदना शुरू कर देते हैं ऐसे में मांग ज्यादा होने पर पके हुए आम न उपलब्ध होने पर व्यापारी कच्चे आमों पर रसायन छिड़क कर उसे जल्दी पकाने का प्रयास करते हैं।

केशव सृष्टि गौशाला सहतार्थ तीन दिवसीय गौ कृपा कथा में उमडे हजारों गौ भक्त

मीरारोड : केशव सृष्टि गौशाला सहायतार्थ विश्व हिंदू परिषद अंतर्गत गौसेवा परिषद केशव सृष्ठि गौशाला द्वारा भायंदर पश्चिम के राधेश्याम डॉम में १४,१५,तथा १६ अप्रैल को आयोजित तीन दिवसीय गौ कृपा कथा के दौरान साध्वी आराधना गोपाल सरस्वती ने कहा कि गाय माता साधारण प्राणी नही है, वैदिक धर्म का प्राण है। जिस गाय को श्री कृष्ण ने नंगे पांव चराया, वो साधारण कैसे हो सकती हैं। गाय माता तो देवताओं की भी आराध्या हैं। गौ माता तीर्थ ही नहीं, बल्कि एक औषधालय भी हैं। गोमाता के दर्शन में न केवल सभी देवों और तीर्थो के दर्शन है, बल्कि पंचगव्य के रूप में असाध्य रोगों की औषधि भी गोमाता भक्तों को बिना किसी फीस के दे देती हैं। मुख्य यजमान मनोज पुरोहित, तीन दिन के दैनिक यजमान केशवप्रसाद रुइया,नंदलाल मदनलाल भूतडा तथा श्रीमती गीतादेवी गोपिकिशन अग्रवाल की यजमनी में आयोजित कथा के दौरान गौ महिमा का वर्णन । इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृ शक्ति व गोभक्त उपस्थित थे। साध्वी आराधना गोपाल सरस्वती ने कहा कि गोमाता सृष्ठि की धुरी हैं। जब गोमाता ही नही बचेगी तो यह सृष्ठि भी खत्म हो जाएगी। उन्होंने गोमाता के तन की पवित्रता का बखान करते हुए कहा कि सृष्ठि में केवल गोमाता ही हैं, जिसका मल और मूत्र को शास्त्रों में पवित्र मान कर पूजा सामग्री में शामिल किया गया हैं और इसे भगवान को अर्पित किया जाता है। गोमाता की महिमा को बस महसूस करने की आवश्यक्ता हैं। जैसे तार में बहता इलेक्ट्रिक का करंट दिखाई नही देता प्रकाश के रूप में उसे महसूस किया जाता है, ऐसे ही गोमाता की महिमा को महसूस करने की आवश्यकता है। जन्म से लेकर मृत्यु के बाद तक गौ माता उपयोगी है। इसलिए सभी मानव को गोवंश का संरक्षण करना नितांत आवश्यक है। गौ माता के पूजन और सेवा से बांझपन, नार्मल डीलीवरी सहित अनेकों प्रकार की बीमारिया, दुख दरिद्रता आदि सब दूर हो जाती है। उन्होंने केशव सृष्ठि गौशाला में किए जा रहे गौ संवर्धन को लेकर कहा की जिस तरह से केशव सृष्ठि गौशाला में गौ माताओं की सेवा हो रही है वह बहुत ही उत्तम है उन्होंने कहा की गौ माता को जानवर नही है लोग कहने को तो गाय को माता मानते है लेकिन घर में शादी ब्याह होते है तो हम परिवार के लिए तो आभूषणों तथा कपडो की खरीदी करते है लेकिन जिसे हम माता कहते है उसके लिए क्या हम एक तांबे की घंटी भी खरीद पाते है? जिस दिन सही मायनों में गाय को माता मानने लग जाओगे उस दिन आपके सब दु:ख और तकलीफ दूर होते चले जायेंगे।

साउथ मुंबई में साइकिल सेवा का महंगा किराया:कनेक्ट नहीं हो पा रहे हैं लोग!

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : महंगे ईंधन, ट्रैफिक की समस्या आदि को देखते हुए दक्षिण मुंबई में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए साइकिल सेवा शुरू की गई है। इस योजना के तहत १० स्थानों पर सौ साइकिलें लगाई गई हैं। मुंबई मनपा के साथ साइकिल शेयर करने वाली सेवा माई बाइक द्वारा २० अप्रैल को बाइक लॉन्च की गई है। साइकिल के लिए स्थानों में चर्चगेट स्टेशन, रेडियो क्लब, होटल ताज प्रेसिडेंट, गेटवे ऑफ इंडिया, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस शामिल हैं। लेकिन इस सेवा के बदले लिए जा रहे किराए को लोग अधिक बता रहे हैं। नतीजतन लोगों का ठंडा प्रतिसाद देखने को मिल रहा है है। परिवहन विशेषज्ञों के अनुसार, प्रतिदिन ५९ रुपए का शुल्क अधिक है। वहीं मेट्रो-२ए और मेट्रो-७ के मेट्रो स्टेशनों के बाहर रखी साइकिलों को ज्यादा खास प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। माई बाइक इलेक्ट्रिक और माई बाइक इलेक्ट्रिक कार्गो के साथ दक्षिण मुंबई में अपने बेड़े को और बढ़ाने की भी प्लान बना रही है। मुंबई की साइकिल मेयर फिरोजा सुरेश ने कहा, २अंतरराष्ट्रीय शहरों में ये साइकिल सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से संचालित की जाती हैं, जहां ऑपरेटर विज्ञापनों के माध्यम से राजस्व उत्पन्न कर सकते हैं। इस तरह टैरिफ को नीचे लाया जा सकता है। लेकिन लास्ट-माइल कनेक्टिविटी के विकल्प के रूप में ये साइकिलें एक स्वस्थ और किफायती विकल्प हैं। माई बाइक द्वारा ३४९ रुपए में साप्ताहिक और ७४९ रुपए पर मासिक टैरिफ भी दिया जा रहा है, जिससे किराया २५ रुपए प्रति दिन पड़ रहा है। मनपा की योजना उपरोक्त क्षेत्रों के निवासियों और कार्यालय जानेवालों के साथ-साथ लोगों के लिए पसंदीदा मरीन ड्राइव जैसे लोकप्रिय स्थानों पर आनेवालों को आकर्षित करने की है।

१४ लाख ३० हजार के नशीले पदार्थ के साथ दो गिरफ्तार, शिवाजी नगर पुलिस ने की कार्रवाई

जेकेएस संवाददाता

मुंबई। गोवंडी शिवाजी नगर पुलिस ने एक गुप्त सुचना पर एक मकान पर छापामारी की कार्यवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर १४ लाख ३० हजार के नशीले पदार्थ हस्तगत किया है। गौरतलब है की वरिष्ट पुलिस निरीक्षक अर्जुन रजाने के सहयोगी पुलिस निरीक्षक युसूफ सौदागर को गुप्त सुचना मिली थी

की शिवाजी नगर में कुछ लोग एक मकान में नशीला पदार्थ बेचने का काम करते हैं।जो ऑन लाइन वाट्सअप पर अपने ग्राहकों को संपर्क कर उनके साथ कोडियन फासफेट सिरप बेचने का काम करते हैं।इस खबर को पक्की करके युसूफ सौदागर व उनकी टीम ने पुलिस उपायुक्त हेमराजसिंह राजपूत व सहायक पुलिस आयुक्त नितिन जाधव की देखरेख में उक्त मकान पर छापा मारा।जहां से १०५० बोतल कोडियन सिरप के बरामद हुए जिसकी कुल कीमत ५ लाख २५ हजार रुपए हैं।उक्त स्थल से पुलिस ने एक नाबालिग युवक को हिरासत में लिया और उसके पास से ८ सीसी टीवी कैमरे,१ डी व्ही आर,१ वाईफाई राउटर,१ मॉनिटर भी पुलिस ने बरामद किया है।पकड़े गए नाबालिग युवक की निशानदेही पर एक दूसरे युवक दूसरे ठिकाण से पुलिस ने पकड़ा है जिसके पास से १२०० बोतल कोडियन सिरप एक रिक्शा ६० हजार के कैमरे व अन्य साहित्य बरामद हुए हैं जिनकी कुल कीमत ९ लाख ५००० हजार रुपए है।मतलब दोनों आरोपियों के पास से कुल १४ लाख ३० हजार के नशीले पदार्थ व सामान पुलिस ने हस्तगत किया है।पकड़े गए आरोपियों से पुलिस यह जानकारी हाशिल करने में जुटी है की आरोपी यह नशीले पदार्थ कहा से यहां लाते थे।जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

मुंबई से पुणे जानेवाले यात्री कृपया ध्यान दें! एलपी ब्रिज पर एक महीने रहेगा भारी जाम

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : नई मुंबई शहर में सायन-पनवेल महामार्ग पर नेरुल के एलपी ब्रिज के पुणे लाइन पर कॉन्क्रीटीकरण का काम शुरू किया गया है। यह काम करीब एक महीने तक चलेगा। इसके चलते इस ब्रिज पर पुणे जानेवाली लाइन की एक लेन वाहनों के लिए खुली रहेगी, जबकि अन्य दो लेन काम के लिए बंद रहने की जानकारी नई मुंबई पुलिस विभाग द्वारा दी गई है। सायन-पनवेल

महामार्ग को मुंबई महानगर क्षेत्र के सबसे व्यस्त महामार्गों में से एक माना जाता है। यह महानगर से पुणे सहित पश्चिमी महाराष्ट्र, दक्षिण भारत के साथ जेएनपीटी और उरण-पनवेल जानेवाले वाहनों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इसी महामार्ग के नेरुल का एलपी ब्रिज सबसे महत्वपूर्ण ब्रिज है। इस ब्रिज पर कॉन्क्रिटीकरण का काम शुरू किया गया है, जो कि एक महीने तक चलेगा। कॉन्क्रिटीकरण के लिए पुणे की ओर जाने वाली दो लेन को बंद कर दिया गया है, जिसके कारण एक लेन पर भारी ट्रैफिक जाम रहेगा। मात्र एक लेन चालू रहने से भीषण जाम लगने की भारी संभावना है, जिसके कारण भारी जाम से बचने के लिए बेलापुर जंक्शन से पाम बीच होते हुए पुणे पहुंचने की अपील ट्रैफिक विभाग द्वारा की गई है।

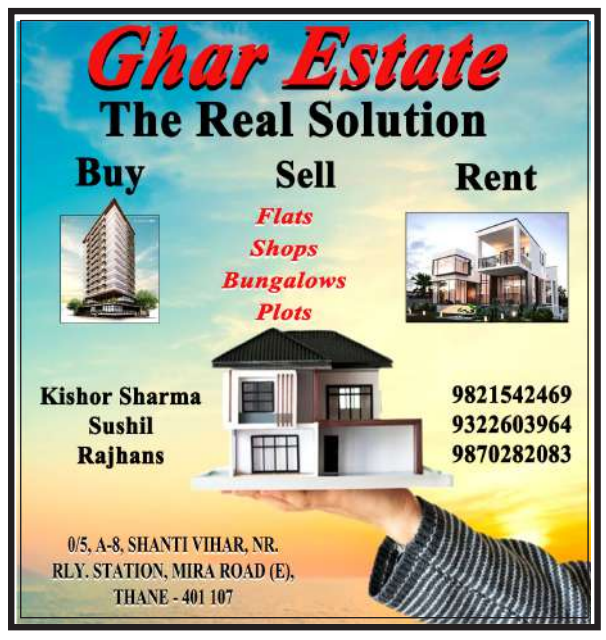

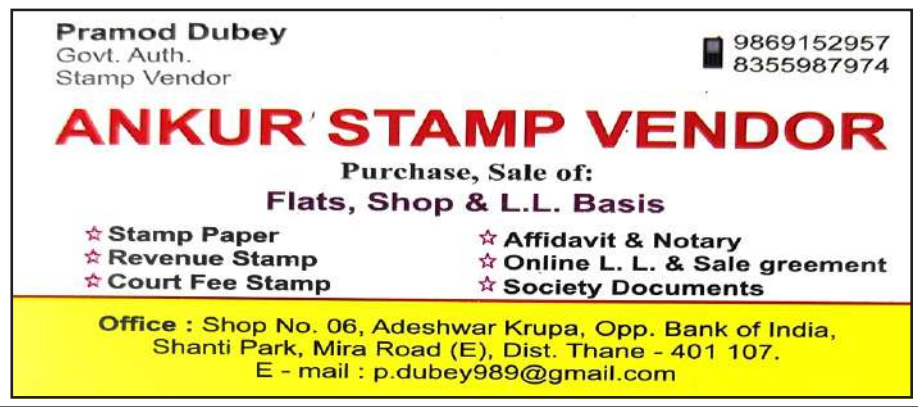

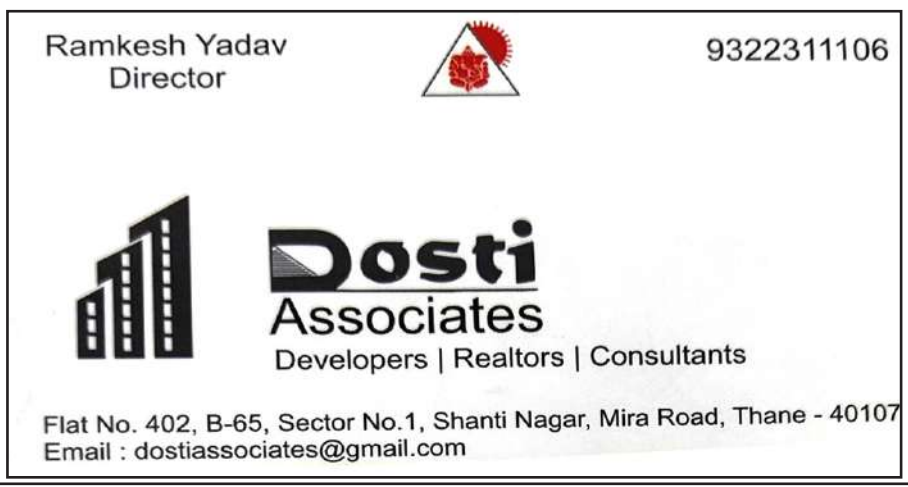

दमकलकर्मियों को राष्ट्रपति शौर्य सम्मान

जेकेएस संवाददाता

उल्हासनगर : कोरोना काल में महामारी और लॉकडाउन के कारण राष्ट्रपति शौर्य सम्मान से वंचित रहे महाराष्ट्र के ८ दमकलकर्मियों के लिए अच्छी खबर आई है। दो साल पहले देश के अग्निशमन दल के जांबाज जवानों के लिए घोषित किए गए ३राष्ट्रपति शौर्य पुरस्कार अब प्रदान किए गए। पुरस्कार पानेवालों में महाराष्ट्र के भी ८ दमकल कर्मी शामिल हैं। बता दें कि १५ अगस्त २०२० में राष्ट्रपति द्वारा शौर्य पुरस्कार की घोषणा की गई थी। इस सूची में महाराष्ट्र के ८ जवानों में मुंबई के ४ व उल्हासनगर के ४ दमकलकर्मियों का नाम शामिल हैं। परंतु कोरोना के कारण उन्हें सम्मान नहीं मिल सका था, जो कि अब १७ अप्रैल २०२३ को राष्ट्रीय अग्निशमन महाविद्यालय, नागपुर के ऑडिटोरियम में नित्यानंद राय (केंद्रीय गृह राज्य मंत्री) के हाथों प्रदान किए गए। इस बारे में उल्हासनगर की जनसंपर्क अधिकारी छाया प्रकाश डांगले ने एक विज्ञप्ति के जरिए बताया कि महाराष्ट्र के मुंबई अग्निशमन के प्रभात रहांगदले, हेमंत परब, आत्माराम मिश्र, कृष्णकांत यादव, उल्हासनगर से बालासाहेब नेटके, पंकज पवार, संदीप आसेकर तथा राजेंद्र राजम को राष्ट्रपति शौर्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान कार्यक्रम में ताज हसन (महासंचालक अग्निशमन सेवा, भारत सरकार), वुऊडकीलवार (उप-अग्निशमन सलाहकार भारत सरकार), आर. एम. छीरसागर (संचालक राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर), राजेश चौधरी (उप संचालक राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर), संतोष बारीक (संचालक महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा, महाराष्ट्र राज्य) के अलावा देश के अग्निशमन प्रतिनिधि व शौर्य विजेता उपस्थित थे। उल्हासनगर के आयुक्त अजीज शेख ने उल्हासनगर के अग्निशमन विभाग के राष्ट्रपति शौर्य विजेताओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें शुभकामना दी।

हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़! होटल था अय्याशी का अड्डा भोजपुरी अभिनेत्री गिरफ्तार, तीन मॉडल छुड़ाई गईं

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : मुंबई पुलिस ने एक गोरेगांव में एक हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस की सोशल सर्विस ब्रांच ने एक भोजपुरी अभिनेत्री को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन मॉडल को छुड़ाया गया है। खबरों के मुताबिक आरे कॉलोनी में स्थित इस आलिशान होटल को अ-याशी का अड्डा बनाकर सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार २४ वर्षीय भोजपुरी अभिनेत्री एजेंट के तौर पर काम करती थी, उसके पास से तीन मॉडलों को बचाया गया है। भोजपुरी फिल्मों में काम करने के अलावा अभिनेत्री हिंदी, पंजाबी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में ओटीटी शो और एलबम में भी दिख चुकी है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। सेक्स रैकेट की सूचना मिलने पर पुलिस ने एक फर्जी ग्राहक भोजपुरी एक्ट्रेस के पास भेजा। एक्ट्रेस ने जब कस्टमर से डील की, तो उसने हर मॉडल के ५० से ८० हजार रुपए मांगे। इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही पैसे लेते हुए एक्ट्रेस को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि छुड़ाई गईं मॉडल्स फिल्मों में अपना वैंरियर बनाने के लिए मुंबई आई थीं। स्ट्रगल के दौर से गुजर रहीं इन मॉडल्स को पैसों की जरूरत थी। एक्ट्रेस ने उनकी मजबूरी का फायदा उठाया और इनसे संपर्क कर देह व्यापार

के लिए मजबूर किया था। भोजपुरी एक्ट्रेस कई भोजपुरी फिल्मों और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम कर चुकी है। इससे पहले भी मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच युनिट ने गोरेगांव में ही एक और सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया था। उस दौरान दो मॉडल को रेस्क्यू किया गया था जबकि एक ३० वर्षीय महिला कास्टिंग डायरेक्टर को अरेस्ट किया गया था। लड़कियों की दलाली करनेवाली भोजपुरी अभिनेत्री के पास से जो मोबाइल फोन बरामद हुआ है, उससे कई बड़े लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। फिलहाल इस मामले में पुलिस बिना जांच के कुछ कहने से कतरा रही है। जानकारी के मुताबिक यह अभिनेत्री मुंबई में पिछले ६ साल से रह रही है। हालांकि, यह सेक्स रैकेट कितने समय से चल रहा था, इसकी पड़ताल करने के लिए पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है।

चीटर्स के निशाने पर नेटफ्लिक्स यूजर्स !

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : ऑनलाइन फ्रॉड इस समय चीटर्स का सबसे प्रमुख टारगेट बन गया है। आए दिन नए-नए तरीकों से ऑनलाइन चीटिंग के केस सामने आ रहे हैं। इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म काफी लोकप्रिय हो चुके हैं। ऑनलाइन ठग इसका फायदा उठाकर आपका फोन हैक कर रहे हैं। इन दिनों ये हैकर्स नेटफ्लिक्स के नाम का इस्तेमाल कर लोगों को ठग रहे हैं। ऐसे में यदि आपके पास भी नेटफ्लिक्स से जुड़ा कोई मैसेज आए तो सावधान रहें। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, इस बार हैकर्स ने नेटफ्लिक्स ऐप के यूजर्स को निशाना बनाया है। इसके तहत साइबर क्रिमिनल्स ने यूजर्स के नाम और पेमेंट

डिटेल्स चुराए हैं। चेक प्वाइंट रिसर्च की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हैकर्स नेटफ्लिक्स यूजर्स को बरगला रहे हैं और फर्जी ईमेल के जरिए उनकी पेमेंट डिटेल्स चुरा रहे हैं। कहा जा रहा है कि लोगों पर फिशिंग अटैक्स काफी आम हैं। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, लिंक्डिन जैसी कंपनियां भी इस तरह के हमलों की शिकार हुई हैं। २०२३ की पहली तिमाही में यूजर्स को धोखा देने के लिए नेटफ्लिक्स की ब्रांडिंग वाला एक फर्जी ईमेल भेजा गया था। जनवरी से मार्च तक, लोगों को अकाउंट बंद करने की धमकी भी दी गई थी। ईमेल का सब्जेक्ट अपडेट रिक्वायर्ड- अकाउंट ऑन हेल्ड रहता है और ईमेल में एक मैसेज लिखा होता है, जिसमें दावा किया गया है कि यूजर का नेटफ्लिक्स अकाउंट को निलंबित कर दिया गया था क्योंकि नेक्स्ट बिलिंग साइकल में उनकी पेमेंट फेल हो गई है। फर्जी ईमेल में यूजर्स को मेंबरशिप रिन्यू करने के लिए एक लिंक दिया गया है और कहा गया है कि इस लिंक पर क्लिक कर यूजर अपनी सदस्यता रिन्यू कर सकते हैं। हालांकि, एक बार जब यूजर्स इस लिंक पर क्लिक करते हैं तो उनकी पेमेंट डिटेल्स चुरा ली जाती हैं। यूजर्स को लिंक पर क्लिक करते ही उसे दूसरे वेबसाइट पर रिडायरेक्ट कर दिया जाता है। हैकर्स, कंपनी जैसा डोमेन नेम या यूआरएल बनाते हैं, साथ ही इसी की तरह वेबसाइट भी बनाते हैं और यूजर्स को इसमें फंसाते हैं। नकली वेबसाइट टारगेटेड यूजर्स को ईमेल या मैसेज भेजता है। फिर एक बार जब यूजर इस पर क्लिक करते हैं, तो वे एक वेब पेज पर रीडायरेक्ट हो जाते हैं। इस बात की भी संभावना है कि कोई यूजर फेक मोबाइल ऐप पर रीडायरेक्ट हो सकता है। अगर कोई स्वैमर यूजर्स को नकली वेबसाइट पर जाने और उनकी निजी डिटेल्स को दर्ज करने को कहता है और यूजर यह काम कर देता है तो यूजर्स की डिटेल्स चोरी हो सकती है।

अपनों के गले लगकर गम भुलाएंगे कैदी ! परिवार के पास लाकर कैदियों को कुंठा से बचाने का प्रयास

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : गुनाहों के लिए अपराधियों के मन में पश्चाताप पैदा हो और वे भविष्य में गुनाहों से तौबा करें, ऐसी मंशा से अपराधियों को जेल में बंद रखा जाता है। लेकिन जेल में अकेलेपन की कुंठा और दुर्दांत अपराधियों का साथ उन्हें और बड़ा अपराधी बनने के लिए प्रेरित करता है। परिवार के करीब लाकर कुंठा से बचाने की योजना के तहत महाराष्ट्र जेल प्रशासन ने कैदियों के लिए अनूठी योजना बनाई है। इस योजना के तहत अब महाराष्ट्र की जेल में बंद कैदी अपने १६ साल से कम उम्र के बच्चों, भाई-बहन, पोती-पोते, नवासों आदि से प्रत्यक्ष मुलाकात कर सकेंगें। उन्हें गले लगा सकेंगे और गोद में खिला सकेंगे। बता दें कि जेल में बंद कैदियों की पहले जेल प्रशासन परिजनों से फोन पर बात कराता था। महाराष्ट्र जेल प्रशासन ने बाद में उसमें सुधार किया और कैदियों को उनके १६ साल से कम उम्र के बच्चों से प्रत्यक्ष मिलने, गले लगाने आदि की सहूलियत देने का निर्णय लिया था। लेकिन जेल प्रशासन ने अब इस सहूलियत को और बढ़ा दिया है। अब जेल में बंद कदियों को १६ साल से कम उम्र के बच्चों के अलावा नाबालिग भाई-बहन, पोते-पोती, नाती-नवासे आदि से भी मिलने की छूट दे दी है। जेल अधिकारियों की मानें तो इसे उन महिला कैदियों को खासतौर पर बड़ी राहत मिलेगी जो अपने पांच साल से अधिक उम्र के बच्चों से दूर रहने को मजबूर हो जाती हैं। गौरतलब हो कि बंदी महिलाओं को पांच साल से कम उम्र के बच्चों को जेल में साथ रखने की अनुमति होती लेकिन बच्चों की उम्र पांच साल से अधिक होने पर बच्चों को जेल में बंद उनकी मांओं से अलग कर दिया जाता है।

कौमार्यभंग की कीमत डेढ़ लाख रुपए, दो नाबालिग लडकियां कराई गई मुक्त

मुंबई। नाबालिग लड़कियो के कौमार्यभंग की कीमत डेढ़ लाख रुपए लगाकर उनसे देहब्यापार कराने वाली दो महिला दलालो को ठाणे क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाला है।इस मामले में पुलिस ने १६ और १७ साल की दो लड़कियो को मुक्त कराया है। गौरतलब है की ठाणे निवासी डॉ.विनु वर्गीस नामक एक समाजसेवक को गुप्त सुचना मिली थी की कल्याण के नीलम आर्केरेस्ट्रा बार में काम करने वाली वाशी निवासी एक महिला नाबालिग लड़कियो के कौमार्यभंग की कीमत डेढ़ से दो लाख रुपए लेती है।यह जानकारी पक्की कर श्री वर्गीस ने इसकी सुचना ठाणे क्राइम ब्रांच को दी।उसके बाद धीरे धीरे उक्त महिला दलाल से संपर्क कर पुलिस की टीम ने सौदा कर लड़कियो को कल्याण के एक लॉजिंग बोर्डिंग में लाने को बोली।जैसे ही उक्त दोनों महिला दलाल तय समय पर तय स्थल कल्याण पश्चिम के अनिल लॉज पर १६ व १७ साल की दो लड़कियो के साथ पहुंची पुलिस की टीम ने उन्हें धर दबोचा।ठाणे एएचटीसी टीम के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक महेश पाटिल उक्त दोनों महिला दलालो के खिलाफ पिटा एक्ट,पोक्सो व अन्य गंभीर धाराओ के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है।साथ ही साथ दोनों नाबालिग लड़कियो को महिला बाल सुधारगृह भेजने का काम किया है।पुलिस अब इस जांच पड़ताल में जुटी है की पकड़ी गई दोनों महिला दलालो से यह जानकारी हाशिल करने में जुटी है की इन महिला दलालो ने अब तक कितनी लड़कियो को देह ब्यापार के दलदल में ढकेला है जिसकी जांच कल्याण एमएफसी पुलिस स्टेशन की पुलिस कर रही है।

उधार दिया पैसा वापस मांगे तो पुलिस वाले की कर दी हत्या

जेकेएस संवाददाता

मुंबई। अपना खुद का दिया हुआ पैसा भी वापस मांगना जान लेवा साबित हो सकता है ! ऐसे ही एक मामले में एक पुलिस वाले की हत्या किए जाने की खबर सामने आई है।जिसके आरोप में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाला है। गौरतलब है की मुंबई जेल पुलिस में काम कर रिटार्यड हुए अशोक कालू मोहिते अब बदलापुर में रहते थे।उन्होंने अपनी इमारत में ही किराए पर रहने वाले महादू बाजीराव बालकोली को कुछ पैसे रिटायर्ड होने के पहले उधार दिए थे।रिटायर्ड होने के बाद से वह अपने दिए हुए पैसे को वापस करने के लिए महादू को तकादा करते थे।जिससे महादू काफी खफा था। पुलिस सूत्र बताते हैं की १२ अप्रैल को करीब ४ बजे अशोक कालू मोहिते को बहाने से महादू ने बुलाया उसके बाद अपने एक दोस्त के साथ मिलकर उसका अपहरण कर लिए।काफी खोजबीन के बाद अशोक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस गुमशुदी के तहत १३ अप्रैल को मामला दर्ज किया।पुलिस की जांच पड़ताल तेजी से चल रही थी की इसी बीच १५ अप्रैल को अशोक के एसबीआई के एकाउंट से २५००० निकाले जाने का मैसेज आया।बस पुलिस ने इस सुराग को बारीकी से खंगाला तो पुलिस को मालुम पडा की उक्त पैसा एटीएम से विड्रॉल किया गया है।उसके बाद धीरे धीरे २ लाख ३० हजार रुपए विड्रॉल किए गए। इसी बीच अशोक मोहिते की ही इमारत में रहने वाला महादू नामक युवक बार बार वाचमैन से पूछतांछ करता पाया गया की अशोक आया क्या ? लेकिन अशोक को तो उसी ने छुपाया था यह किसी को मालुम नहीं पड़ रहा था।पुलिस ने जब तांत्रिक जांच कर महादू को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछतांछ की तो उसने सच उगल दिया।उसने पुलिस को बताया की वह और उसका एक दोस्त मिलकर अशोक की हत्या कर उसके शव को एक जगह दफन कर दिए है।जहां से पुलिस ने अशोक का शव बरामद कर लिया है।वरिष्ट पुलिस निरीक्षक अरुण छीरसागर व अपराध निरीक्षक किशोर शिंदे की पुलिस ने इस मामले की जांच कर एक रिटायर्ड पुलिस कर्मचारी की हत्या के आरोप में महादू व उसके दोस्त लक्षमण गोटीराम जाधव (५५) को गिरफ्तार किया है।इस मामले की अधिक जांच डिटेक्टशन अधिकारी हनुमंत हुबे व उनकी टीम कर रही है।

१६ अप्रैल २०२३ को इरोज सिनेमा बिल्डिंग, चर्चगेट में रे ऑफ होप संस्था मुंबई द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में मिरारोड के प्रसिद्ध सेलिब्रिटी मैनेजर और सोशल एक्टिविस् शशि लोहारूका को सबसे प्रतिष्ठित मदर टेरेसा अवार्ड २०२३ से सम्मानित किया गया।

ठगी करने वाले तीन एजेंट गिरफ्तार

वसई: मीरा-भाईंदर व वसई-विरार आयुक्तालय के क्राइम ब्रांच यूनिट - २ व नालासोपारा पुलिस ने एक साथ बडी कार्रवाई करते हुए वाहन लोन के नाम पर ठगी करने वाले ३ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से २२ लाख रुपये मूल्य की ३४ वाइक वरामद की हैं। इस दौरान रास्ते मे उसे रिकवरी एजेंट पॉल मुर्गन अनवलग्न नाडर मिला। नाडर ने उसे कहा कि तुम्हारे वाइक की किस्त वकाया है, इसलिए गाडी फाइनैंस कंपनी में जमा करनी पडेग़ी। उसने गाडी अपने कब्जे में ली और जमा नहीं की ।

मंत्रालय सहकारी साख समिति की ओर से मृतक सरकारी कर्मचारी के परिवार को सहायता

नवी मुंबई, १७वां :- मंत्रालय कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी की कोकण भवन शाखा दिवंगत शासकीय कर्मचारी श्री. संजय कोली के परिवार को २० हजार रुपये की मदद की। संभागीय सूचना कार्यालय कर्मचारी संजय नवल कोली। संक्षिप्त बीमारी के बाद २८ मार्च, २०२३ को निधन हो गया। काई कोली मंत्रालय कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी की कोंकण भवन शाखा के सदस्य थे। आज कै. कोली की पत्नी श्रीमती इंदुमती संजय कोली और उनके पुत्र

तुषार संजय कोली, कोंकण मंडल सूचना के उप निदेशक डॉ. गणेश मुले की उपस्थिति में मंत्रालय सहकारी साख समिति के संरक्षक निदेशक अजीत न्यानिर्गुणे एवं कोषाध्यक्ष सुधीर केलवंकर को २० हजार रुपये नकद दिये गये. अगस्त २०२२ में मंत्रालय कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स चुनाव में एकता पैनल का चुनाव हुआ। पैनल उपाध्यक्ष भाऊसाहेब पठान, सहायक प्रबंधक अनिल सी. भगटे, अध्यक्ष रमेश दौलत लवांडे और सचिव शशिकांत साखरकर ने रुपये देने की योजना को लागू करना शुरू कर दिया है। नवनियुक्त पैनल का यह फैसला सराहनीय है।

पैसे के लालच में दंपत्ती हुए ठगी के शिकार

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : शेयर मार्केट में निवेश करने पर अधिक लाभ का लालच देकर मीरारोड पूर्व के कनाकिया परिसर में रहने वाले जगदीश शाहरी तथा उनकी पत्नी से ७१ लाख रुपए ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस प्रकरण में मीरा रोड पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराया गया है। पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार जगदीश शाहरी की पत्नी दिव्या शाहरी मुंबई के विलेपार्ले उपनगर में नौकरी करती है। नौकरी पर जाने के लिए रोजाना ट्रेन से यात्रा करने के दौरान दिव्या की पहचान डिंपल गुप्ता नाम की महिला से हुई थी। यह पहचान धीरे-धीरे मित्रता में बदल गई थी। डिंपल ने दिव्या को बताया कि उसकी एक सहेली शेयर मार्केट में निवेश करती है और उससे उसको बहुत अधिक लाभ होता है। उस समय दिव्या ने उसकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया था। वर्ष २०१३ में डिंपल एक दिन दिव्या के घर आई और उसकी सास से कहा कि १ लाख रुपए निवेश करने पर उसे प्रतिमाह ८ हजार रुपए मिलेंगे। यह निवेश करने पर डिंपल ने वादे के अनुसार प्रतिमाह ८ रुपए वापस दिए। २०१५ में ५ लाख निवेश करने पर ६ माह के बाद ८ लाख रुपए भी वापस दिए। इसी प्रकार से निवेश पर लाभ का लालच देकर धीरे-धीरे दिव्या से डिंपल ने लाखों रुपए बैंक ट्रांसफर तथा नगद के रूप में निवेश करवाए। यह रकम डिंपल ने अपनी सहेली शर्मिला अडसुले के बैंक खाते में करवाए थे। ७१ लाख रुपए तक का निवेश कर देने के बाद उन दोनों ने शाहरी दंपत्ति से संपर्क बंद कर दिया। मीरारोड पुलिस इस ठगी की जांच कर रही है।

टॉप १० का मालिका अनिल छेडा को वीआयपी सुविधा देने के चक्कर में पुलिस हुए निलंबित

मीरा रोड : गिरफ्तार आरोपियों को वीआईपी सुविधा देने के प्रकरण में मीरारोड पुलिस थाने के उपनिरीक्षक सहित ५ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है. निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में मिलिंद बोरसे (उपनिरीक्षक), रामेश्वर तरडे (लॉकअप गार्ड) बाबूराव गरुड, विजेंद्र दिवेकर, कैलाश ठोसर का समावेश है. आरोपियों को लॉकअप की बजाए अधिकारियों के कक्ष में रखा गया था. बता दें कि ११ फरवरी को मीरा रोड रेलवे स्टेशन चौक के पास बस घुमाने में बाधक टॉप १० मोबाइल के दुकानदार की कार को लेकर एमबीएमटी बस के ड्राइवर और दुकान मालिक अनिल छेडा के बीच विवाद हो गया था. इस विवाद के बाद दुकानदार अनिल छेडा ने अपने साथी कमलेश मिश्रा के साथ मिलकर ड्राइवर की पिटाई कर दी थी. इस प्रकरण में मीरारोड पुलिस ने छेडा और मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया था. दोनों को मीरारोड पुलिस थाने की हवालात में रखा गया था, लेकिन बाद में उन्हें हवालात से निकालकर पहले मंजिल पर बने अधिकारियों के कक्ष में रखा गया था.

ईद के जश्न में डूबा मिरा भाईंदर

मीरा-भाईंदर : मीरा-भाईंदर में शनिवार को धूमधाम से ईद मनाई गई। शहर की विभिन्न मस्जिदों में नमाज के वाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर वधाई दी। मुस्लिम बहुल मीरा रोड में नया नगर पुलिस के सीनियर पीआई जितेंद्र वानकोटी के प्रबंधन के कारण ईद सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाई गई। पुलिस आयुक्त मधुकर पांडेय ने स्वयं लोगों को गुलाव का फूल देकर वधाई दी। पूर्व विधायक मुजफ्फर हुसैन ने कहा कि प्रशासन का काम प्रसंशनीय रहा। डीसीपी जयंत वजवले ने बताया कि पूरे महीने १४ पीआई और लगभग ३ दर्जन पीएसआई सहित सैकडों पुलिसकर्मी तैनात रहे।

ये लोकतंत्र नहीं तानाशाही है, सवाल पूछने पर होता है बवाल - मुजफ्फर हुसैन

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड: पूर्व विधायक मुजफ्फर हुसैन ने आलोचना की कि आजादी के बाद पिछले ७५ वर्षों में मोदी सरकार के नौ साल के शासन के दौरान गलत नीतियों के कारण देश का पतन हुआ। कांग्रेसने देश को बनाया और बडा बनाया लेकिन आज दुर्भाग्य की बात है कि देश को एक व्यापारी के इशारे पर चलाया जा रहा है। कांग्रेस की ओर से जय भारत सत्याग्रह आन्दोलन छेडा गया है. भायंदर में तहसीलदार कार्यालय का घेराव कर बयान दिया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद की सडक़ों के नीचे जबाब दो मोदीजी कहते हुए जवाब मांगा गया। इस मौके पर प्रदेश सचिव आनंद सिंह जिलाध्यक्ष प्रमोद सामंत, पार्षद राजीव मेहरा, गीता परदेशी, फरीद कुरैशी अशरफ शेख, महिला अध्यक्ष रूपा पिंटो समेत जिला पदाधिकारी, प्रखंड प्रकोष्ट अध्यक्ष व

कांग्रेस द्वारा जय भारत सत्याग्रह का तहसीलदार कार्यालय के समक्ष धरना

कार्यकर्ता बडी संख्या में शामिल हुए, हुसैन ने आगे कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोडो के माध्यम से देशवासियों को 'डर वोट' का संदेश दिया है और आम नागरिक संसद में वही सवाल पूछ रहे हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी अपने उद्योगपति मित्र के लिए कुछ भी कहने को तैयार नहीं है. जिसका मतलब है यह देश किस दिशा में बढ.रहा है, हुसैन ने कहा कि सवाल पूछने पर राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द की जाती है, यह लोकतंत्र नहीं तानाशाही है. प्रदेश सचिव आनंद सिंह ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं के दामों पर जीएसटी लगाने से महंगाई बढी है, बेरोजगारी बढने से युवा परेशान हैं, महिलाएं असुरक्षित हैं और देश की जनता सडक़ों पर उतरकर मोदी से जवाब मांगेगी, भविष्य जिला प्रवक्ता प्रकाश नागणे ने कहा कि देश का संविधान खतरे में है और धर्मवाद, जातिवाद, प्रांतवाद जैसे मुद्दों को सामने लाकर पर्यावरण को प्रदूषित करने के लिए बुनियादी मुद्दों की उपेक्षा की जा रही है. इस मौके पर अनिल सावंत, रुबीना शेख, दिनेश सक्सना, श्याम शहरे, सिध्देश राणे. राकेश राजपुरोहित, महेंद्र सिंह, कुणाल काटकर साहेबल यादव ने अपने विचारव्यक्त किए।

मनपा का अधिकारी तबादला होने के बाद भी कुंडली मारकर बैठा है मनपा में

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा भायंदर महानगर पालिका में कार्यरत सहायक आयुक्त सचिन बच्छाव का तबादला ९ माह पूर्व किया जा चुका है । इसके बावजूद अभी तक वे अपने पद पर जमे हुए हैं। राज्य सरकार से प्रतिनियुक्ति पर आए हुए बच्छाव का तबादला २६ मई २०२२ को ठाणे महानगर पालिका में सहायक आयुक्त पद पर कर दिया गया था, लेकिन मीरा भायंदर मनपा से उनका मोह नहीं छूट रहा है। बताया जाता है की मनपा आयुक्त व प्रशासक दिलीप ढोले के पसंदीदा अधीनस्थ अधिकारियों में इनका नाम शुमार है। इसी वजह से प्रशासक ढोले ने राज्य सरकार के नगर विकास विभाग को पत्र भेजकर बच्छाव का तबादला आदेश स्थगित करने की मांग जून २०२२ में की थी। जिस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं आया है। आरटीआई कार्यकर्ता कृष्णा गुप्ता ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा नगरविकास विभाग के प्रधान सचिव सोनिया सेठी को लिखे अपने पत्र में यह शिकायत किया है कि सचिन बच्छाव का तबादला तथा उन्हें मीरा भायंदर मनपा से कार्यमुक्त करने का आदेश अवर सचिव सचिन सहस्त्रबुद्धे ने जारी किया था। उस पत्र में यह स्पष्ठ उल्लेख किया गया है कि यह आदेश महाराष्ट्र के राज्यपाल के आदेश व नाम से जारी किया जा रहा है । तो यहां यह सवाल खडा होता है कि क्या प्रशासक को यह अधिकार है कि वह राज्यपाल के आदेश को स्थगित करने की मांग या सिफारिश करें.. ? वहीं गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया है की बच्छाव का तबादला ठाणे मनपा में कर दिया गया है, जबकि उनका मासिक वेतन अवैध रूप से मीरा भायंदर मनपा द्वारा दिया जा रहा है। इतना ही नहीं तो बच्छाव को आरोग्य विभाग, सार्वजनिक चिकित्सा आरोग्य ,अति आवश्यक सेवाओं सहित प्रभाग अधिकारी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। आरटीआई कार्यकर्ता गुप्ता ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि तबादले के आदेश के बाद भी अपने पद पर जमे सचिन बच्छाव द्वारा पिछले ९ माह में जितने भी ठेकेदारों के बिल ,प्रशासकीय निर्णय तथा प्रभाग क्रमांक ६ के प्रभाग अधिकारी पद पर रहते हुए अवैध निर्माणों के संबंध में निकाले गए । उन सभी की जांच की जाए साथ ही पिछले ९ माह से मीरा भायंदर मनपा द्वारा दिए जा रहे वेतन के संबंध में आस्थापना विभाग प्रमुख व मुख्य लेखा अधिकारी के विरुद्ध शिष्ठ भंग की कार्रवाई की जाए। इस संबंध में मनपा के सहायक आयुक्त सचिन बच्छाव का पक्ष जानने हेतु उनके मोबाइल नंबर ९५९९५१३२२२ पर संपर्क करने पर उन्होंने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया।

मीरा भाईंदर का संगीत विद्यालय राज्य सरकार के विश्वविद्यालय से संबंद्ध

मिरा-भाईंदर : मीरा भाईंदर मे संगीत विद्यालय का भूमिपूजन विधायक प्रताप सरनाईक मीरा भायंदर नगर निगम में आरक्षण संख्या २४६ पर भारत रत्न लता दीनानाथ मंगेशकर संगीत विद्यालय (गुरुकुल) की स्थापना हेतु मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से जब मांग की गई तो उन्होंने कहा कि सरकार के निर्णय के अनुसार प्रथम चरण में ५ करोड.रुपये की व्यवस्था की गयी है. और दूसरे चरण में २० करोड.कुल २५ करोड.की राशि स्वीकृत कर वहां संगीत विद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है. यह जानकारी विधायक प्रताप सरनाईक द्वारा दी गई है। विधायक सरनाईक ने राज्य सरकार से लता मंगेशकर की स्मृति को हमेशा के लिए संजोए रखने के लिए उनके नाम पर मीरा भायंदर में इस संगीत विद्यालय की स्थापना करने का अनुरोध किया था। अब ये प्रयास सफल रहा है और महाराष्ट्र सरकार के शहरी विकास विभाग ने इस संबंध में एक सरकारी निर्णय प्रकाशित किया है। उक्त भूमि पर भारत रत्न लता दीनानाथ मंगेशकर संगीत विद्यालय का निर्माण होता है तो यह मीरा भायंदर शहर की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी और लता दीदी को हमेशा याद किया जाएगा विधायक प्रताप सरनाईक ने कहा महाराष्ट्र सरकार के उप सचिव ने धन स्वीकृत करने के सरकार के फैसले को जारी कर दिया है। मीरा भायंदर का यह संगीत विद्यालय राज्य सरकार के संगीत विश्वविद्यालय से संबद्ध होगा। इसके इलावा मीरा भायंदर में कई कलाकारों को फायदा होगा। कई नवोदित गायकों को मंच मिलेगा। संगीत विद्यालय संगीत विश्वविद्यालय से संबद्ध पाठ्यक्रम चलाएगा, इसलिए कई गायक कलावंत से आधिकारिक डिग्री लेने में सक्षम होंगे। विधायक सरनाईक ने बताया कि अगले माह मीरा भायंदर में इस संगीत विद्यालय के कार्य का शिलान्यास संगीत के क्षेत्र में जानकार एक जाने-माने व्यक्ति द्वारा किया जाएगा। शहर में संगीत विद्यालय (गुरुकुल) शुरू करने के और धनराशि स्वीकृति प्रदान करने के लिए प्रताप सरनाई ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का धन्यवाद किया मीरा भायंदर के नागरिकों ने इस निर्णय से संतोष व्यक्त किया है और संगीत क्षेत्र भी संतोष व्यक्त कर रहा है।

बीएसयूपी योजना में लाभार्थियों को पक्के घर मिलने का मिला आश्वासन , ठेकेदार कर रहा आनाकानी

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड: मीरा भायंदर महानगर पालिका द्वारा बीएसयूपी योजना के तहत काशी चर्च झोपडपट्टी वासियों के लिए इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। पिछले ७ वर्षों से इस इमारत का निर्माण कार्य पूर्ण नही हुआ है। ठेकेदार इमारत को पूर्ण करने में असमर्थ रहा है, इसलिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के शहर अभियंता दीपक खांबित ने उसका ठेका रद्द करने का प्रस्ताव आयुक्त प्रशासक दिलीप ढोले को सादर किया है। काशी चर्च झोपडपट्टी की जगह एक ८ मंजिली इमारत का कार्य वर्ष २०१७ में शुरू किया गया था। जिसका ठेका एक निजी ठेकेदार को दिया गया था। इस इमारत का ७० प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। बाकी बचे हुए कार्य को ठेकेदार पूर्ण नहीं कर रहा है। संबंधित ठेकेदार को यह कार्य पूर्ण करने के लिए कई बार नोटिस जारी की जा चुकी है।निर्माण कार्य पूर्ण करने में क्या अडचन आ रही है, इसे जानने के लिए ठेकेदार को कई बार बैठक में उपस्थित रहने के लिए कहा गया, लेकिन ठेकेदार एक

भी बैठक में उपस्थित नहीं हुआ। जिससे जिन लोगों ने झोपडपट्टी में अपने घर खाली कर अन्य अन्य स्थानों या मनपा के संक्रमण शिविरों में रह रहे हैं। उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड.रहा है। इस निर्माणाधीन इमारत में १२९ लाभार्थियों को पक्के घर मिलने वाला है। निर्माण कार्य में देरी होने कई बार इन लाभार्थियों ने शहर अभियंता से मुलाकात कर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। ज्ञात हो की झोपड़पट्टी वासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए २००९ में केंद्र सरकार ने बीएसयूपी योजना को लागु किया था।वर्ष २०११ में बीएसयुपी योजना के अंतर्गत काशी मीरा के जनता नगर और काशी चर्च झोपड़पट्टी वासियों को पक्के मकान बना कर देने के लिए चयनित किया गया था। करीब ३३० करोड़ रूपये की लागत वाली इस योजना में ५० प्रतिशत केंद्र सरकार, ३० प्रतिशत राज्य सरकार, ९ प्रतिशत मीरा भाइंदर मनपा और ११ प्रतिशत लाभार्थियों के निधि की भागीदारी का समावेश था ।इस योजना के अंतर्गत ४१३६ झोपडाधारकों को पक्के मकान बनाकर देने के लिए पात्र चयन किया गया था। वर्ष २०१४ में केंद्र की सरकार बदलने के बाद २०१५ में बीएसयूपी योजना बंद कर दी गई। जिससे इमारतों का काम प्रलंबित रह गया। इस योजना को पूर्ण करने के लिए महानगर पालिका ने कर्ज के रूप में निधि की व्यवस्था की है। जिससे जनता नगर की दो इमारतों का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें ४८० लाभार्थियों को पक्के मकान दे दिए गए हैं। बाकी इमारतों का निर्माण कार्य भी चल रहा है, लेकिन काशी चर्च की इमारत का निर्माण ठेकेदार नहीं कर रहा है।

पुलिस का सराहनीय कार्य, चोरी हुआ माल जनता को किया वापस

मीरा-भाईंदर : मीरा-भाईंदर वसई- विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आने वाले नवघर पुलिस स्टेशन ने १७ अप्रैल को लगभग १६ लाख ६० हजार का सामान लोगों को वापस किया, यह सभी सामान चोरी, छीना-झपटी, और घर फोडी जैसे मामलों में नवघर पुलिस ने बरामद किए थे, इनमें ६ दोपहिया वाहन, १ ऑटो रिक्शा, और ४१ मोबाइल फोन शामिल थे। यह सभी मामले वर्ष २०२२ और २०२३ के है, जो नवघर पुलिस स्टेशन में दर्ज हुए थे । इन सभी मामलों को सुलझाते हुये पुलिस ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया जहां शिकायतकर्ता को परिमंडल १ के पुलिस उपायुक्त जयंत बजबले की उपस्थिति में उनके सामान सुपुर्द किए गए ।सामान मिलने पर नागरिकों ने पुलिस विभाग का आभार माना, कुछ ने कहां की हमने सोचा नहीं किया था कि, समान वापस मिलेंगे, पर नवघर पुलिस कि मदत से यह संभव हो पाया । इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त जयंत बजबले, नवघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय पवार, पुलिस निरीक्षक सुशीलकुमार शिंदे क्राइम), पुलिस निरीक्षक प्रकाश मासाल सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश काले, पुलिस उप निरीक्षक अभिजीत लांडे आदि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, उप संपादक मोहम्मद अहमद निसार अहमद, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9004895944 Email :newsjankalyanseva@gmail.com wwwjankalyanseva.com; Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI